



संस्कृति एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या— 221
19/03/2017

महात्मा बुद्ध के विचार आज भी प्रासंगिक हैं :-
मुख्यमंत्री

पटना, 19 मार्च 2017 :- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि सौभाग्य की बात है कि यही वह जगह है, जहाँ पहली बार बौद्ध सम्मेलन आयोजित किया गया था। महात्मा बुद्ध का राजगीर से गहरा संबंध रहा है। ज्ञान की प्राप्ति के पहले एवं ज्ञान प्राप्ति के बाद वे यहीं वर्षावास किये थे। 21वीं सदी में बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता पर हो रहे आयोजन में दुनिया के अनेक देशों के लोग विमर्श कर रहे हैं, जिसका उद्घाटन परम पावन दलाईलामा जी ने किया है। वर्ष 2013 में पटना में 2550वें महापरिनिर्वाण के अवसर पर बुद्ध स्मृति पार्क बनाया गया था, जिसका उद्घाटन भी परम पावन दलाईलामा जी ने किया था। नालंदा महाविहार में अनेक मूलकों के लोग शिक्षा ग्रहण करने के लिये आते थे। इसकी शिक्षा प्रणाली अद्भूत थी। इस महाविहार को पुनर्जीवित करने की कोशिश की जा रही थी। नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेष को वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया जाय, इसके लिये काफी प्रयास किया गया था। समिति द्वारा वोट के जरिये इसे वर्ल्ड हेरिटेज घोषित किया गया। बिहार सरकार की पहल पर नव नालंदा महाविहार की स्थापना की गयी, जिसे बाद में भारत सरकार ने इसे अपनाया और डिम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में अंगीकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा, अशांति के वातावरण एवं हर जगह अविश्वास, असहिष्णुता एवं नफरत के माहौल में बौद्ध धर्म सही राह दिखा सकता है। महात्मा बुद्ध ने शांति एवं मध्य मार्ग की बात कही थी। महात्मा बुद्ध के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब नालंदा महाविहार को पुनर्जीवित किया जा रहा था तो मैंने कहा था कि यहाँ कॉन्फ्लिक्ट रिजॉल्यूशन सेंटर की आवश्यकता है, जहाँ तमाम मूलकों/देशों के विवादों को बैठकर सुलझाया जा सके। बिहार सरकार इसके लिये अलग से जमीन उपलब्ध कराने को भी तत्पर है। उन्होंने कहा कि यह काफी प्रसन्नता की बात है कि बिहार में सहिष्णुता और सौहार्द का माहौल है। राजगीर अपने आप में अनेक धर्मों का संगम स्थल है। सम्राट बिंबिसार ने महात्मा बुद्ध को अपने रॉयल गार्डन में निवास कराया था, जो वेणुवन के नाम से प्रसिद्ध है। भगवान महावीर का भी यहाँ से गहरा नाता रहा है। हिन्दू धर्म, सूफी संत, सिखों के धर्मगुरु गुरुनानक देव जी का भी यह निवास स्थान रहा है। सिखों के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 350वां प्रकाश पर्व बिहार में धूमधाम से मनाया गया। यहाँ सिख धर्म के इस पर्व में सभी धर्मों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जो बिहार में सहिष्णुता एवं शांति का परिचायक है। कालचक्र पूजा अभी हाल ही में सम्पन्न हुआ है, जिसमें 93 मूलकों के बौद्ध धर्मावलंबी आये थे। उन्होंने कहा कि बिहार में शांति, सद्भाव एवं सहिष्णुता का वातावरण है।

महात्मा बुद्ध के विचार.....2

बौद्ध धर्म की प्रासंगिकता पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के वैज्ञानिक युग में बौद्ध धर्म तार्किक धर्म है। परम पावन दलाईलामा जी हमेशा विज्ञान के साथ इसे जोड़ते रहे हैं। जरूरत मनुष्य के अंदर की शक्ति को पहचानने की है और अगर सभी लोग सही रास्ते पर चले तो हिंसा और कटुता के वातावरण को दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार के लिये यह सौभाग्य की बात है कि यहाँ पर कालचक्र पूजा, 350वें प्रकाश पर्व, आज अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन तथा चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने पर 10 अप्रैल से कार्यक्रम चलाया जायेगा तथा शांति एवं सद्भाव का संदेश घर-घर तक पहुँचाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के 10 फीसदी लोग भी यदि बौद्ध धर्म के संदेशों/अहिंसा एवं शांति को अंगीकार कर लेते हैं तो हिंसा की दाल नहीं गलने वाली है।

राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद ने सर्वप्रथम कला, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार को विश्वविद्यालय की सहायता के लिये धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म कोई धर्म नहीं बल्कि जीने का एक तरीका है, स्वखोज करने का एक माध्यम है तथा वैज्ञानिक धर्म है।

महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने कहा कि विश्व वैश्विक चुनौतियाँ एवं संकट के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि कैसे मानव सभ्यता को बचाये रखा जाय। बौद्ध धर्म एवं इसका संदेश प्रासंगिक हैं। आतंकवाद किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कोई कर्म या कुकर्म नहीं बल्कि मानसिक कुरीतियाँ हैं। आतंकवाद सकारात्मक नहीं नकारात्मक है। बौद्ध धर्म सम्राट अशोक को चंड-अशोक से धम्म-अशोक की तरफ ले गया। सही मार्ग बुद्ध का मध्यम मार्ग है। उन्होंने तक्षशीला, विक्रमशीला, नालंदा तथा ओदंतपुरी शिक्षण केन्द्रों का भी नाम लिया तथा बताया कि यह वह शिक्षण केन्द्र थे, जहाँ सभी प्रकार की शिक्षा दी जाती थी। तृतीय शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 12वीं सदी तक नालंदा विश्वविद्यालय उत्कृष्ट शिक्षण केन्द्र के रूप में विख्यात रहा था, जहाँ खुले दिमाग से प्रश्नों को पूछा एवं वाद-विवाद किया जाता था। जहाँ आचार्य या उपाध्याय द्वारा विद्यार्थियों का मानसिक विकास किया जाता था।

समारोह को कुलपति नवनालंदा महाविहार श्री एम0एल0 श्रीवास्तव, सारनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति श्री नवांग सेमटेन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, सांसद श्री कौशलेन्द्र कुमार, इस्लामपुर के विधायक श्री चन्द्रसेन प्रसाद, हिलसा के विधायक श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव, राजगीर के विधायक श्री रवि ज्योति कुमार, अस्थावां के विधायक श्री जीतेन्द्र कुमार, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी नालंदा, पुलिस अधीक्षक नालंदा सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

इससे पूर्व महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का गया हवाई अड्डा पर भव्य स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा महामहिम राष्ट्रपति का गया हवाई अड्डा पर फूलों का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया गया।
